भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2799

जिसका उत्तर 20 दिसम्बर, 2023 को दिया जाना है ।

29 अग्रहायण, 1945 (शक)

सेमीकंडक्टर चिप का आयात

2799. श्री बालाशौरी वल्लभनेनी:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 2020-21 से सेमीकंडक्टर चिप का आयात बढ़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या चीन से सेमीकंडक्टर चिप आयात को रोकने के लिए की गई घोषणाओं के बावजूद चीन से सेमीकंडक्टर चिप के आयात में काफी वृद्धि हुई है;

(ग) क्या चीन से सेमीकंडक्टर चिप का आयात वर्ष 2020-21 के 24,604 करोड़ रुपये से बढ़कर 37,681 करोड़ रुपये हो गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या यह सच है कि फॉक्सकॉन ने देश में अपना संयंत्र स्थापित करने से मना कर दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क), (ख),(ग)और(घ) भारतसरकारचिपसेटसहितमुख्यघटकोंकेविकासकेलिएदेशमेंक्षमताओंकोप्रोत्साहितकरकेऔरउन्हेंसंचालित करकेभारतकोइलेक्ट्रॉनिकीप्रणाली डिजाइनऔरविनिर्माण (ईएसडीएम) केलिएएकवैश्विककेंद्रकेरूपमेंस्थापितकरनेकीपरिकल्पनाकरतीहै।भारतसरकारकालक्ष्यदेशकेइलेक्ट्रॉनिकविनिर्माणपारिस्थितिकीतंत्रकोव्यापकऔरगहराबनानेकेसाथ-साथविश्वसनीयइलेक्ट्रॉनिक्सग्लोबलवैल्यूचेन (जीवीसी) मेंभारतकीहिस्सेदारीबढ़ानाहै।सरकारनेदेशमेंसेमीकंडक्टरसहितइलेक्ट्रॉनिकीविनिर्माणकोबढ़ावादेनेऔरइलेक्ट्रॉनिकवस्तुओंऔरउपकरणोंमेंबड़ेनिवेशकोप्रोत्साहितकरनेकेसाथ-

साथनिर्यातकोबढ़ावादेनेकेलिएकईउपायकिएहैं।सरकारद्वाराकीगईकईपहलोंऔरउद्योगकेप्रयासोंकेपरिणामस्वरूप, इलेक्ट्रॉनिकवस्तुओंकाघरेलूउत्पादनवर्ष 2014-15 में 1.90 लाखकरोड़रु (29 बिलियनअमरीकीडालर) सेबढ़कर 2022-23 में 8.22 लाखकरोड़रु (101 बिलियनअमरीकीडालर) होगयाहै, जो लगभग 20%चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) पर है।लगभगहरप्रमुखरूप से अग्रणी इलेक्ट्रॉनिकीविनिर्माणराष्ट्रकेअनुरूप, इलेक्ट्रॉनिकीविनिर्माणमेंवृद्धिसेमीकंडक्टर केउपयोगमेंआनुपातिकवृद्धिकेसाथहै।भारतमें भीपिछलेकुछवर्षोंमेंसेमीकंडक्टरकेउपयोगमेंइसीतरहकीप्रवृत्तिदेखीगई है।

सरकारसमग्रसेमीकंडक्टरपारिस्थितिकीतंत्रकेनिर्माणकेअपनेउद्देश्यपरअत्यधिक ध्यान केंद्रितकररहीहैऔरयहसुनिश्चितकरतीहैकियहभारतकेतेजीसेबढ़तेइलेक्ट्रॉनिकीविनिर्माणऔरनवाचारपारिस्थितिकीतंत्र कोउत्प्रेरितकरे।सरकारनेदेशमेंसेमीकंडक्टरऔरडिस्प्लेविनिर्माणपारिस्थितिकीतंत्रकेविकासकेलिए 76,000 करोड़रुपयेकेकुलपरिव्ययकेसाथसेमीकॉनइंडियाकार्यक्रमकोमंजूरीदेदीहै।कार्यक्रमकाउद्देश्यसेमीकंडक्टर, प्रदर्शनविनिर्माणऔरडिजाइनपारिस्थितिकीतंत्रमेंनिवेशकरनेवालीकंपनियोंकोवित्तीयसहायताप्रदानकरनाहै।यहवैश्विक इलेक्ट्रॉनिकीमूल्यश्रृंखलाओंमेंभारतकीबढ़तीउपस्थितिकामार्गप्रशस्तकरेगा।

सेमीकॉनइंडियाकार्यक्रमकेतहत, माइक्रोनद्वारापहलीसेमीकंडक्टरइकाईकोजून, 2023 मेंमंजूरीदीगईथी।यूनिटकानिर्माणकार्यशुरूहोगयाहै।

(ङ) फॉक्सकॉननेदेशमेंसेमीकंडक्टरफैबकीस्थापनाकेलिए **"**भारतमेंसेमीकंडक्टरफैब्सकीस्थापनाहेतुसंशोधितयोजना**"** केअंतर्गतअपनाआवेदनप्रस्तुतकियाहै।

******